दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२९२ वा | गुरूवार २२ मे २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

मुंबई में अल्पसंख्यक वर्ग की लड़कियों के लिए बनेगा इंजीनियरिंग कॉलेज

प्रधानमंत्री जन विकास योजना के तहत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

मुंबई, २१ मई - अल्पसंख्यक समुदाय की विशेषकर मुस्लिम समाज की लड़कियों को उच्च शिक्षा के अधिक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य सरकार मुंबई के अणुशक्तीनगर क्षेत्र में एक विशेष इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना करने जा रही है। यह जानकारी महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक विकास मंत्री दत्तात्रय भरणे ने बुधवार को दी।

इस कॉलेज की स्थापना प्रधानमंत्री जनविकास कार्यक्रम के अंतर्गत की जाएगी और मंत्री भरणे ने इस संदर्भ में प्रस्ताव जल्द से जल्द तैयार कर शासन को सौंपने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।

इस विषय पर मौजे अनिक, चेंबूर, अणुशक्तीनगर में आयोजित बैठक में विधायक सना मलिक, पूर्व मंत्री नवाब मलिक, विभाग के सचिव रूचेश जैवंशी, विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. गोविंद संगवई, सह सचिव संतोष खोरगड़े, अवर सचिव

मिलिंद शेनॉय और कार्यकारी अभियंता संतोष कुलकर्णी सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री भरणे ने कहा कि मुस्लिम समाज में शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। विशेष रूप से लड़कियों को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए अणुशक्तीनगर में इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की जाएगी। यह कॉलेज प्रधानमंत्री जनविकास योजना के तहत नियमों के अनुसार प्रस्तावित किया जाएगा।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस कॉलेज में अन्य समाज की छात्राओं को भी प्रवेश मिलेगा और सभी प्रकार की आवश्यक सुविधाएं, संसाधन और आधारभूत ढांचा उपलब्ध कराया जाएगा। प्रस्ताव तैयार करते समय इन सभी बातों का ध्यान रखा जाए, ऐसा निर्देश उन्होंने अधिकारियों को दिया।

४ महीने में १,००० किसानों ने की आत्महत्या, निष्क्रिय सरकार जिम्मेदार-अंबादास दानवे

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

मुंबई, २२ मई - राज्य में १ जनवरी से ३० अप्रैल २०२५ तक के चार महीने की अवधि में १,००० किसानों ने आत्महत्या की है। यह आरोप विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने बुधवार को लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य की महायुती सरकार ने झूठे वादों और खोखली घोषणाओं के दम पर सत्ता हासिल की, लेकिन अब वही सरकार निष्क्रिय होकर जनता की फसलों और जान की बर्बादी देख रही है।

दानवे ने बताया कि इस अवधि में प्राकृतिक आपदाओं के कारण राज्य के ५४,५३३ हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें प्रभावित हुईं, लेकिन सरकार ने अभी तक कोई ठोस राहत नहीं दी है। उन्होंने मांग की कि सरकार जल्द से जल्द सर्वेक्षण (पंचनामा) कर किसानों को मुआवजा प्रदान करे।

उन्होंने यह भी बताया कि मार्च २०२३ से दिसंबर २०२४ के बीच हुई आपदाओं के लिए किसानों को १३,८१९ करोड़ रुपये का मुआवजा अब तक नहीं दिया गया है। उन्होंने सरकार द्वारा फसल कटाई प्रयोग के आधार पर एक बार ही मुआवजा देने की नीति को अन्यायपूर्ण बताया और इसके खिलाफ आवाज उठाने का ऐलान किया।

दानवे ने कहा कि हाल ही में राज्य के कई जिलों में गंभीर प्राकृतिक आपदाएं आईं, लेकिन सरकार केवल तमाशबीन बनी रही। बीड़ जिले का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बीड़ के प्रभारी मंत्री बनने के बावजूद परली में एक युवक शिवराज दिवटे के साथ हुई मारपीट का वीडियो वायरल हुआ है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वहां की कानून-व्यवस्था गंभीर संकट में है।

उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि जब केंद्र सरकार ने २०२३-२४ में महाराष्ट्र को ३६,००० करोड़ रुपये का अनुदान दिया था, तो वह २०२४-२५ में घटकर ३१,८३० करोड़ क्यों हो गया? क्या डबल इंजन सरकार को केंद्र की पूरी मदद मिल रही है, यह सवाल उठता है?

सोलापुर एमआयडीसी में लगी आग का जिक्र करते हुए दानवे ने कहा कि घायलों को अस्पताल ले जाने के लिए पंढरपुर से एम्बुलेंस मंगानी पड़ी, जिससे राज्य की एमआयडीसी क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था की बदहाली उजागर होती है।

दानवे ने यह भी आरोप लगाया कि जनता के विरोध के बावजूद विकास कार्यों के नाम पर आम नागरिकों और किसानों की ज़मीन का बड़े पैमाने पर अधिग्रहण हो रहा है और ठेकेदारों का साम्राज्य खड़ा करने का प्रयास सरकार कर रही है।

मुख्य न्यायाधीश के स्वागत में लापरवाही पर भी जताई नाराज़गी

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई के स्वागत में राज्य सरकार द्वारा प्रोटोकॉल में बरती गई लापरवाही पर भी दानवे ने तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि जब न्यायाधीश ने सार्वजनिक रूप से नाराज़गी जताई, तब जाकर सरकार ने सफाई दी। यह चूक सामान्य नहीं है, और गलती को माफ नहीं किया जा सकता, विपक्ष इस पर सख्त रुख अपनाएगा।

छगन भुजबळ ने शब्बीर अंसारी की अस्पताल में जाकर की मुलाकात

मुंबई, संवाददाता

ऑल इंडिया मुस्लिम ओबीसी ऑर्गनाइजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शब्बीर अंसारी पिछले दो दिनों से मुंबई के टाटा अस्पताल में इलाजरत हैं। इसी सिलसिले में महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री छगन भुजबळ ने अस्पताल जाकर उनकी इयादत कि

शब्बीर अंसारी के परिवारजनों से भी

इस दौरान मंत्री भुजबळ ने इलाज कर रहे डॉक्टरों से चर्चा की और भेंट कर उन्हें हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया।

मुख्य न्यायाधीश के राजकीय प्रोटोकॉल में चूक पर बवाल

राज्य सरकार ने दिए तत्काल जांच के आदेश

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

मुंबई, २२ मई - देश के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई के हालिया मुंबई दौरे के दौरान राजकीय शिष्टाचार (प्रोटोकॉल) में हुई चूक पर पूरे देशभर में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं, जिससे महाराष्ट्र सरकार बैकफुट पर आ गई है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य के राजकीय शिष्टाचार मंत्री जयकुमार रावल ने बुधवार को संबंधित विभाग को तत्काल जांच कर वस्तुनिष्ठ रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

मंत्री रावल ने यह भी कहा कि इस मामले को ध्यान में रखते हुए भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक प्रशिक्षण, जागरूकता और प्रक्रियाओं का निर्धारण किया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि न्यायमूर्ति भूषण गवई ने पिछले सप्ताह ही देश के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण किया था और रविवार को वे पहली बार मुंबई के दौरे पर पहुंचे थे। लेकिन उनके स्वागत के लिए राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक या मुंबई पुलिस आयुक्त में से कोई भी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद नहीं था। इस बात पर उन्होंने अपनी सार्वजनिक नाराजगी जाहिर की थी, जिसके बाद पूरे देश में आलोचनाएं शुरू हो गईं। इस मामले में उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका भी दायर की गई है।

मंत्री रावल ने इस चूक पर खेद व्यक्त करते हुए कहा, राज्य में आने वाले अति-महत्वपूर्ण व्यक्तियों का प्रोटोकॉल पालन करना सरकार की जिम्मेदारी है। इस मामले में तुरंत जांच के आदेश दे दिए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वीआईपी और वीवीआईपी मेहमानों से संबंधित प्रोटोकॉल नियम, केंद्र और राज्य सरकार के मार्गदर्शक सिद्धांतों को एकत्र कर अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि समयानुसार प्रोटोकॉल नियमों की समीक्षा की जाए, विशेषज्ञों की एक अध्ययन टीम गठित की जाए, प्रमाणित कार्यप्रणाली निर्धारित की जाए, और विभाग में रिक्त पदों को भरने की तात्कालिक कार्रवाई की जाए। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि आवश्यक हो तो देश में उत्कृष्ट प्रोटोकॉल प्रणाली विकसित करने के लिए किसी सलाहकार एजेंसी की नियुक्ति की जाए।

व्यक्तिगत कार्यक्रम में व्यस्त था: रावल

रावल ने यह स्पष्ट किया कि उनके विदेश दौरे पर होने की खबरें निराधार हैं। उन्होंने कहा, मैं देश में ही था और रिश्तेदारों के एक पारिवारिक कार्यक्रम में व्यस्त था।

सोलापुर एमआयडीसी कार्यालय में आग से अल्पसंख्यक कर्मचारी की मृत्यु, आयोग ने सात दिवस में मांगी रिपोर्ट

मुंबई/सोलापुर, २० मई २०२४:

दिनांक १८ मई २०२४ को सोलापुर एमआयडीसी परिसर स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय में अचानक भीषण आग लग गई, जिसमें एक अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित कर्मचारी की मृत्यु हो गई। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए महाराष्ट्र राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है।

आयोग के सदस्य श्री वसीम खुरासानी ने दिवंगत कर्मचारी के परिजनों से भेंट कर घटना की जानकारी ली। आयोग ने सोलापुर महानगरपालिका आयुक्त और जिला अधिकारी, सोलापुर को पत्र भेजते हुए आग लगने के कारणों की जांच और प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई का स्पष्ट विवरण सात दिवस के भीतर आयोग को सौंपने का निर्देश दिया है।

यह जानकारी महाराष्ट्र राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सचिव श्री साईकुमार पाटील द्वारा जारी की गई है।

अगर शिक्षित परिवारों में भी हो रहा है अत्याचार, तो महाराष्ट्र किस दिशा में जा रहा है?

पुणे में दहेज के लिए दिल दहला देने वाली मौत पर सुप्रिया सुले का तीखा बयान

मुंबई, २१ मई - राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने पुणे जिले के मुळशी तालुका में एक २४ वर्षीय महिला की कथित दहेज के लिए हुई मृत्यु पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे महाराष्ट्र की प्रगतिशील पहचान पर कलंक बताया है। उन्होंने राज्य सरकार से इस मामले की न्यायिक जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पत्रकारों से बातचीत में सुप्रिया सुले ने कहा, यह घटना अत्यंत दुखद और चौंकाने वाली है। जिस परिवार में यह हादसा हुआ है, वह पुणे और मुळशी का एक शिक्षित और प्रतिष्ठित परिवार माना जाता है। अगर ऐसे घरों में भी बहुओं पर अत्याचार हो रहे हैं, तो यह सोचने की बात है कि हमारा समाज किस दिशा में जा रहा है।

सुले ने बताया कि मृतक महिला का परिवार लंबे समय से कांग्रेस पार्टी से जुड़ा रहा है। कुछ दिन पहले उसी परिवार में एक समारोह था, लेकिन उन्होंने उसमें शामिल नहीं होने का निर्णय लिया था क्योंकि उस परिवार पर पहले से ही घरेलू हिंसा की शिकायतें दर्ज थीं। उन्होंने कहा, मेरी अनुपस्थिति अपने आप में एक संदेश थी - कि मैं अन्याय पर चुप नहीं रह सकती।

उन्होंने आगे बताया कि मृतक युवती की दोनों भाभियों ने भी घरेलू हिंसा के मामले दर्ज कराए हैं। पुलिस से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना की प्रकृति स्पष्ट नहीं है। कुछ लोग इसे आत्महत्या बता रहे हैं, जबकि अन्य इसे हत्या का मामला मान रहे हैं। सुप्रिया सुले ने कहा, २४ वर्षीय लड़की की मौत पर चुप नहीं बैठा जा सकता। मैं इस मामले में न्याय दिलवाने तक चैन से नहीं बैठूंगी।

देश में मौजूदा राजनीतिक तनाव पर टिप्पणी करते हुए सुले ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई किसी एक व्यक्ति या पार्टी की नहीं, बल्कि पूरे देश की है। उन्होंने यह भी कहा कि सेना से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए और सभी दलों को राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देनी चाहिए।

इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुप्रिया सुले ने 'जल जीवन मिशन' में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हालिया रिपोर्टों के अनुसार इस मिशन में करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है या जानबूझकर अनुमान बढ़ाकर बताए गए हैं। उन्होंने इस सिलसिले में राज्य बीजेपी अध्यक्ष सी.आर. पाटिल और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पारदर्शी जांच की मांग की है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

ना. छगनराव भुजबळ की मंत्री पद पर नियुक्ति से बीड़ में हर्षोल्लास का माहौल

समता परिषद और ओबीसी समाज की विभिन्न संस्थाओं ने मिलकर मनाया उत्सव, मिठाई बांटी, पटाखे फोड़े

बीड़ (प्रतिनिधि):

ओबीसी समाज के राष्ट्रीय नेता, अखिल भारतीय महात्मा फुले समता परिषद के संस्थापक अध्यक्ष और राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री ना. छगनरावजी भुजबळ की महाराष्ट्र राज्य मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री के रूप में नियुक्ति के उपलक्ष्य में बीड़ शहर में जोरदार स्वागत और आनंदोत्सव मनाया गया।

इस अवसर पर समता परिषद समेत ओबीसी समाज की विभिन्न संस्थाओं ने एकजुट होकर ढोल-ताशों के साथ फटाखे फोड़े और मिठाई बांटकर खुशी व्यक्त की।

मंत्रिमंडल में भुजबळ को शामिल किए जाने से संपूर्ण देश में ओबीसी समाज में खासकर समता परिषद से जुड़े कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर दौड़ गई है। ओबीसी समाज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का आभार व्यक्त किया है।

बीड़ में यह आनंदोत्सव समता परिषद के प्रदेश कार्याध्यक्ष समीर भुजबळ और विधायक पंकज भुजबळ के मार्गदर्शन में तथा राज्य महासचिव एड. सुभाष राऊत के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

बुधवार सुबह करीब साढ़े दस बजे बीड़ शहर में क्रांतिसूर्य महात्मा ज्योतिबा फुले और क्रांतीज्योती सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा के समक्ष समता परिषद के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं, तथा ओबीसी समाज की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने मिलकर उत्सव मनाया।

इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख नेता:

नामदेवराव दुधाळ (वरिष्ठ ओबीसी कार्यकर्ता),

गणेश जगताप (परीट समाज प्रदेशाध्यक्ष), एड. संदीप बेदरे (सोनार समाज नेता), प्रो. लक्ष्मणराव गुंजाळ (माळी महासंघ), संजीवनीताई राऊत (भाजपा नेतृ),

संतोष रासवे, मोहनराव गोरे, संतराम पानखडे, दिनकर जमदाडे, बाबासाहेब दुधाळ, विठ्ठल भराटे, अशोक भानुसे,

नितीन जायभाये (बीड़ शहर बचाव मंच अध्यक्ष),

नारायणराव शिंदे, संदीप दुधाळ, अजय राऊत, तुषार दोडके, समीर राऊत, महादेव आढाव, मच्छिंद्र आढाव, दत्ता लव्हाळे, जगन खेत्रे, अशोक रासवे, महेश व्यवहारे, स्वप्निल शिंदे, महेश चौधरी, गोटू साखरे, अमोल राऊत, ह. भ. प. खरमाटे महाराज, रवी काळे आदि बड़ी संख्या में ओबीसी समाज के लोग उपस्थित रहे।

समता और सामाजिक न्याय की दिशा में यह नियुक्ति ऐतिहासिक बताई जा रही है, जिसका स्वागत बीड़ सहित पूरे राज्य में किया जा रहा है।

कल राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार गट) की आष्टी और पाटोदा तालुका स्तर पर होंगी महत्वपूर्ण बैठकें

जिलाध्यक्ष राजेंद्र मस्के और प्रदेश युवा अध्यक्ष मेहबूब शेख की मौजूदगी में होंगी चर्चा

बीड़ (प्रतिनिधि):

राष्ट्रवादी कांग्रेस शरदचंद्र पवार गट की ओर से आष्टी और पाटोदा तालुका में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की तालुका स्तरीय महत्वपूर्ण बैठकें गुरुवार, २२ मई २०२५ को आयोजित की जा रही हैं। पहली बैठक सुबह ११ बजे आष्टी के साईदत्त मंगल कार्यालय में तथा दूसरी बैठक दोपहर ३ बजे पाटोदा में होगी।

इन बैठकों का आयोजन पार्टी के जिलाध्यक्ष राजेंद्र मस्के के प्रमुख मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इसमें प्रदेश युवा अध्यक्ष मेहबूब शेख, प्रदेश उपाध्यक्ष एड. नरसिंह जाधव, प्रदेश सरचिटणीस एड. हेमाताई पिंपळे और महिला आघाड़ी की देशमुखताई सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

गौरतलब है कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव करवाने का आदेश दिया है, जिसके चलते जिले में किसी भी समय जिला परिषद, पंचायत समिति और नगरपरिषद के चुनाव हो सकते हैं। ये चुनाव पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

इन संभावित चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने कमर कस ली है और पार्टी को मजबूत बनाने के उद्देश्य से तालुका स्तर पर बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इन बैठकों में स्थानीय पदाधिकारियों के साथ संवाद, संभावित नए पदाधिकारियों की नियुक्ति तथा उनकी सूची प्रदेश अध्यक्ष को भेजने को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इसके आधार पर जल्द ही नई पदाधिकारी नियुक्तियाँ घोषित की जाएंगी।

आष्टी-पाटोदा तालुका राष्ट्रवादी कांग्रेस की ओर से सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से बैठक में समय पर उपस्थित रहने का आह्वान किया गया है।

कांग्रेस की ओर से बीड़ में तिरंगा रैली का आयोजन संपन्न

मोटरसाइकिल रैली निकालकर भारतीय सैनिकों के प्रति कांग्रेस ने प्रकट की श्रद्धांजलि

बीड़, २१ मई (प्रतिनिधि):

पाकिस्तान के लगातार कायराना हमलों का भारतीय सेना ने बहादुरी से जवाब देते हुए मात्र चार दिनों में पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। यह जीत पूरी तरह भारतीय सेना की है। इसी विजय को नमन करने और देशभक्ति की भावना को प्रकट करने हेतु कांग्रेस पार्टी की ओर से बीड़ में तिरंगा रैली का आयोजन किया गया।

इस रैली की शुरुआत डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राहुल सोनवणे के नेतृत्व में की गई। रैली का मार्ग आंबेडकर चौक, अण्णाभाऊ साठे चौक, छत्रपति शिवाजी महाराज चौक, तथा जिलाधिकारी कार्यालय होते हुए कांग्रेस जिला कार्यालय तक तय किया गया। रैली का समापन शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित कर और उनके शौर्य को नमन करते हुए हुआ।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे:

राहुल सोनवणे (जिलाध्यक्ष), प्रवीणकुमार शेप, गणेश बजगुडे, श्रीनिवास बेदरे, परवेज कुरैशी, संभाजी जाधव, गणेश राउत, विष्णु मस्के, प्रकाश मुंडे, पांडुरंग मस्के, दादासाहेब तासतोडे, राहुल जाधव, एडवोकेट विशाल मस्के, रमधन जमाले, मोसिन शेख, गणेश जवकर, कल्याण टेकाळे, हनुमंत घोडके, शेख कादर बाबा, उत्तरेश्वर जाधव, बबलू भाई शेख, रोहित नवले, राम शेळके, हरिभाऊ सावंत, पांडुरंग हराळे, सखाराम बेंडगे, रंजीत शेळके, अमजद कुरैशी, शेख मुस्ताक, बाळू गिराम।

इसके अलावा बीड़ शहर मंच के नितीन जायभाये, बाजीराव ढाकणे, डॉ. संजय तांदळे, अड. नितीन वाघमारे ने भी उपस्थित रहकर भारतीय सैनिकों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं।

आज भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि भी थी। इस अवसर पर कांग्रेस जिला कार्यालय में उनकी प्रतिमा का पूजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस समय जिला कांग्रेस अध्यक्ष राहुल सोनवणे सहित सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

काज़ी मुशाहिद और अफशा फातिमा को तालुका स्तरीय स्पर्धा में उत्कृष्ट सफलता-पात्रुड, माजलगांव स्कूल का सम्मान

अंबाजोगाई/बीड़ (संवाददाता):

जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, अंबाजोगाई तथा जिला परिषद बीड़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राज्यस्तरीय शिक्षकों के लिए गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वीडियो निर्माण स्पर्धा २०२३ में पात्रुड (ता. माजलगांव) के शिक्षक काज़ी मुशाहिद और शिक्षिका अफशा फातिमा ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर अपने विद्यालय और बीड़ जिले का नाम गौरवान्वित किया है।

इस स्पर्धा में राज्य के विभिन्न जिलों के कई शिक्षकों ने भाग लिया था। काज़ी सर और फातिमा मैडम ने अत्यंत गुणवत्तापूर्ण और प्रभावशाली शैक्षणिक वीडियो प्रस्तुत कर निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया। उनकी इस उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए उन्हें प्रमाणपत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

इस उपलब्धि से विद्यालय के छात्रों और समस्त शिक्षक वर्ग में उत्साह का वातावरण है। विद्यार्थियों को नवाचार के माध्यम से शिक्षा प्रदान करने की दिशा में दोनों शिक्षकों का यह कार्य प्रेरणादायक माना जा रहा है।

यह पात्रुड स्थित जिला परिषद स्कूल के लिए एक गौरवशाली क्षण है, और इस सफलता के लिए काज़ी मुशाहिद और अफशा फातिमा को विभिन्न स्तरों से बधाई और शुभकामनाएँ दी जा रही हैं।

मजदूर की १५ वर्षीय बेटी का अपहरण, परळी ग्रामीण थाने में मामला दर्ज

परळी वैजनाथ (प्रतिनिधि):

तालुका के पांगरी (ता. परळी वैजनाथ) गांव में रहने वाले एक मजदूर की १५ वर्षीय बेटी के अपहरण का मामला सामने आया है। इस संबंध में परळी वैजनाथ ग्रामीण पुलिस थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कैलास वैजनाथ आरगडे (निवासी ताडपांगरी, जिला परभणी; वर्तमान निवासी पांगरी, तहसील परळी वैजनाथ) मजदूरी का काम करते हैं। उनकी १५ वर्षीय बेटी अचानक लापता हो गई। परिजनों द्वारा दी गई शिकायत के अनुसार, किसी अज्ञात व्यक्ति ने किसी अज्ञात कारण से लड़की को बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया है।

इस शिकायत के आधार पर परळी ग्रामीण पुलिस थाने में गु. र. नं. २१९/२०२५ के तहत धारा १३७(२), बीएनएस (इछड) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक जाधव कर रहे हैं।

हमारा नारा-भाईचारा मानवता हि असली पहचान-नितिन गडकरी

शेख अब्दुल करीम की अगुवाई में कार्यक्रम, नितिन गडकरी हुए शामिल

दिल्ली (तामीर न्यूज)

राजधानी दिल्ली स्थित एंबेसडर इंटरनेशनल सेंटर में हमारा नारा - भाईचारा थीम पर एक भव्य सर्वधर्म सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक (कन्वीनर) हज़रत मौलाना शेख अब्दुल करीम की अगुवाई में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

शेख अब्दुल करीम ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि इस मंच का उद्देश्य भारत में बढ़ते ध्रुवीकरण और नफ़रत के माहौल के बीच धर्मों के बीच संवाद, भाईचारा और इंसानियत को मज़बूती देना है। उन्होंने कहा कि जब तक हम एक-दूसरे को इंसान समझ कर मोहब्बत से नहीं देखेंगे तब तक अमन मुमकिन नहीं।

कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने कहा, इंसानियत ही हमारी असली पहचान है और भारत की सबसे बड़ी ताक़त इसकी विविधता में एकता है। उन्होंने कहा कि धर्म, जाति, भाषा या नाम अलग हो सकते हैं, लेकिन अगर दिल में प्रेम और सहयोग का भाव हो, तो समाज आगे बढ़ता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना साजिद रशीदी ने की। उन्होंने कहा कि भारत की ज़मीन पर नफ़रत के लिए कोई जगह नहीं है - यहां का मूल स्वभाव मोहब्बत और भाईचारा है।

मौलाना असजद रईस ने कहा कि इस्लाम अमन, इंसाफ और मोहब्बत का पैग़ाम देता है।

तंजीम उलमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना हकीमुद्दीन कासमी ने कहा कि अगर इंसान को मज़हब से ऊपर रखा जाए, तो समाज में हर प्रकार की नफरत खुद ही मिट जाएगी।

इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल प्रमुख हस्तियों में शामिल थे:

हाजी मोहम्मद शफीक,
डॉ. सैयद मुस्तफा राशिदी,
मौलाना आरिफ कासमी,
मौलाना आरिफ हाशमी,
मुहम्मद मुस्तफा कासमी।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि नितिन गडकरी को भाईचारे और राष्ट्रीय एकता के लिए विशेष स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को कामयाब बनाने में संयोजक शेख़ अब्दुल करीम उन के साथीयों ने काफी मेहनत कि।

पशुपालन विभाग को अधिक सक्षम बनाने के लिए मंत्री पंकजा मुंडे की सक्रिय पहल

पशुधन विकास अधिकारियों के बाद अब सहायक आयुक्त (पशुपालन) के ३११ पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू

मुंबई, २१ मई:

राज्य के पशुपालन विभाग को पूर्ण क्षमता से कार्यरत करने के उद्देश्य से पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे ने तेज़ी से कामकाज की शुरुआत की है। हाल ही में पशुधन विकास अधिकारी संवर्ग के २७९५ पदों को भरने के निर्णय के बाद अब पशुपालन सेवा ग्रुप 'अ' में सहायक आयुक्त (पशुपालन) के ३११ पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।

महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग (एमपीएससी) द्वारा इस आशय की अधिसूचना जारी कर दी गई है और २० जून २०२५ तक उम्मीदवारों से आवेदन मांगे गए हैं।

राज्य में पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे ने विभाग की मजबूती के लिए एक के बाद एक निर्णायक कदम उठाते हुए, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के मार्गदर्शन में ठोस कार्ययोजना को अमल में लाया है।

विभाग में रिक्त पदों के कारण पशुपालकों और किसानों को सेवाएं मिलने में हो रही दिक्कतों को देखते हुए उन्होंने आवश्यक पदों को भरने का निर्णय लिया। इससे पहले उन्होंने एमपीएससी को २७९५ पशुधन विकास अधिकारी पदों की भर्ती की मांग का प्रस्ताव भेजा था।अब प्रशासनिक स्तर पर निरंतर प्रयास करते हुए उन्होंने ३११ सहायक आयुक्त (पशुपालन) पदों की भर्ती का प्रस्ताव भी लोकसेवा आयोग को भेजा, जिसे मंज़ूरी मिल गई है।

इस संदर्भ में श्रीमती पंकजा मुंडे ने कहा कि यह भर्ती प्रक्रिया शीघ्र पूरी होने से विभाग को न केवल योग्य और अध्ययनशील नए अधिकारी मिलेंगे, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन विभाग का काम भी तेज़ी से और प्रभावी रूप से संपन्न होगा। इससे पशुपालकों को बेहतर गुणवत्ता की सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com